भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1026

सोमवार, 10 फरवरी, 2025/21 माघ, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पर्यटन स्थल के रूप में नृसिंहनाथ और हरिशंकर मंदिर

†1026. श्री प्रदीप पुरोहितः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार नृसिंहनाथ मंदिर और हरिशंकर मंदिर सहित ओडिशा के प्रमुख पर्यटन स्थलों को राष्ट्रीय पर्यटन स्थल घोषित करने पर विचार कर रही है;

(ख) क्या इन मंदिरों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय पर्यटन योजनाओं के अंतर्गत इन्हें बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाए गए हैं अथवा प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार की नृसिंहनाथ मंदिर और हरिशंकर मंदिर के साथ-साथ ओडिशा में अवसंरचना, कनेक्टीविटी और पर्यटन सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए विशेष निधि आवंटित करने अथवा विकास परियोजनाएं आरंभ करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)', 'स्वदेश दर्शन (एसडी)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' की अपनी केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं के माध्यम से ओडिशा राज्य सहित राज्य सरकारों/संघ

राज्य क्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करके देश में पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को सम्पूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय अपने सतत प्रयास के भाग के रूप में संवर्धनात्मक कार्यकलापों, कार्यक्रमों, वेबसाइट, सोशल मीडिया पर संवर्धन आदि के माध्यम से ओडिशा सहित देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

ओडिशा में नृसिंहनाथ मंदिर और हरिशंकर मंदिर स्थलों के आस-पास अवसंरचना के विकास के लिए पर्यटन मंत्रालय के पास कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और ऐसी परियोजनाओं के लिए निर्धारित शर्तों के अनुपालन और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ओडिशा में स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

******

अनुबंध

श्री प्रदीप पुरोहित द्वारा पर्यटन स्थल के रूप में नृसिंहनाथ और हरिशंकर मंदिर के संबंध में दिनांक 10.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †1026 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण: -

योजना का नाम	**स्वीकृति का वर्ष**	**स्वीकृत राशि करोड़ रु. में**
पुरी में अवसंरचना का विकास	2014-15	50.00

स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजना का विवरण:-

राज्य/ संघ राज्यक्षेत्र	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि करोड़ रु. में**
ओडिशा	तटीय परिपथ 2016-17	गोपालपुर, बरकुल, सतपाड़ा और ताम्पारा का विकास	70.82

ओडिशा राज्य में एसडी 2.0 के तहत चिह्नित किए गए गंतव्य का विवरण: -

ओडिशा	कोरापुट, देबरीगढ़

पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) के तहत परियोजना का विवरण:-

राज्य	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)**
ओडिशा	सतकोसिया का विकास	99.99
ओडिशा	हीराकुंड का विकास	99.90

******